aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	20 May 2017

SHIFT
Shift 2

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington GAIL 20th May 2017 shift 2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2017-05-20 17:41:38
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	58322495
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	583224147
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	583224147
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 5832241077 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघा का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington

Actual

Group Number :	2
Group Id :	58322496
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	583224148
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	583224148
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 5832241078 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एंटी रोमियो स्क्वाड प्रेम समाज की सीमाओं का तोडता है। समाज के ठेकेदार तो इसके खिलाफ रहेंगे ही, क्योंकि प्रेम के कारण न सिर्फ स्त्रियों, बल्कि युवा पुरूष वर्ग पर भी शासन खत्म हो जाएगा। इसलिए उनके लिए वो अस्वीकार्य है। इस पहल की जब चर्चा शुरू हुई तब सोचा नहीं कि वास्तव में यह बनने वाला है। अब जब यह बन गया तो ऊपर कहीं बैठे शेक्सपीयर भी इस हंगामे को देख सोचते होंगे कि मैंने तो लिखा था कि नाम में क्या रखा है। पर यहां तो सारा हंगामा ही नाम पर बरसा है। काफी लोग इसी तर्क के साथ भिडे हुए हैं कि रोमियो, जो कि एक महान कथा का नायक था उसे छेडछाड करने वाला क्यों बना रहे हैं। पता नहीं लोग इतने आश्चर्य से क्यों भरे हुए हैं क्योंकि वक्त यह कहता है कि नाम से अधिक काम पर ध्यान देने की जरूरत है। यह स्क्वाड स्कूलों, गली मुहल्लों, पार्कों, सिनेमाघरों इत्यादि में घूमने वाले मनचले शहजादों की पहचान कर, उनको चेतावनी देने और उनके अभिभावकों को समझाने का काम करने वाला है। पर यह पता करना कि किसी लडकी के साथ घूमने वाला लडका उसका दोस्त है या छेडखानी करने वाला शोहदा, बेहद मुश्किल होगा। हमारे भारत में तो जहां प्रेम कि बात आती है वहा पुलिस भी अभिभावक ही हो जाती है। हमारे यहां प्रेम पर रोक लगी हुई है। यहां विवाह होते हैं प्रेम नहीं। आज भी बहुत से लोगों के लिए प्रेम एक घोर पाप जिसका मतलब नाक कटाना होता है। जिस समाज में बेटी एवं बहन मान मर्यादा का प्रतीक मानी जाती है उसे एक दिन किसी अजनबी आदमी के साथ जीवन भर के लिए बांध दिया जाता है। तो यह तो है समाज की मानसिकता जिसमें एक लडकी लडका बात भी करें तो गलत। पुलिस वाले यूरोप से तो आयतीत किए नहीं जाएंगे कि केवल छेडछाड करने वालों को खास सेंसर से पकड लेंगे। बूचडखाने बंद होने की खुशी और उत्साह में लोग स्वयं ही आग लगा देते हैं। तो निश्चय ही खुद से बने एंटी रोमियो स्क्वाड अपनी हताशा को मिटाने के लिए प्रेमियों को सताएंगे। जितना आवश्यक छेडछाड की रोकथाम है उतना ही आवश्यक स्वयंभू और स्वघोषित संस्कृती रक्षकों पर लगाम लगाना भी है। वर्ना पहले भी ऐसे अभियान शुरू किए गए हैं जिनका नतीजा अच्छा नहीं रहा। इससे छेडखानी जैसी घटनाएं थमेंगी और लडकियां सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित महसूस करेंगी। लेकिन फिलहाल ऐसा लग रहा है कि सुरक्षा के नाम पर यह लडकियों पर और उनके चयन के हक पर और अधिक नकेल करने वाला कदम है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि जो लोग स्त्री के हित के लिए नहीं, परन्तु उसको काबू में करने के लिए कानून बनाते हैं, वे सबसे पहले उसकी सुरक्षा की ही आड लेते हैं।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington